PAGE- 4

स्वतंत्र विचार

राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता रद्द होने से राजनीतिक मंथन व मूल्यांकन तेज

स्वतंत्र समय

भोपाल

मंगलवार 28 मार्च 2023 | वर्ष - 12
अंक-60 | पृष्ठ-12 | मूल्य-03 रु.

E- PAPER WWW.SWATANTRASAMAY.COM

सार-संक्षिप्त

लोकसभा हाउसिंग कमेटी ने राहुल गांधी को दिया बंगला खाली करने का नोटिस

नई दिल्ली। सांसदी छिनने के बाद राहुल गांधी के लिए नई मुश्किल खड़ी होती जा रहीं हैं। लोकसभा हाउसिंग कमेटी ने राहुल गांधी को सरकारी बंगला खाली करने के लिए नोटिस जारी कर दिया है। सूरत की एक अदालत ने मोदी उपनाम संबंधी टिप्पणी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ 2019 में दर्ज आपराधिक मानहानि के एक मामले में उन्हें गुरुवार को दोषी ठहराया। मामले में उन्हें दो साल कारावास की सजा सुनाई थी। इसके बाद उनकी संसद सदस्यता रद्द हो गई थी। वीर सावरकर के पौत्र रंजीत सावरकर ने राहुल गांधी को चुनौती दी है कि वे सावरकर की माफी के दस्तावेज दिखाएं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी खुद सुप्रीम कोर्ट में 2 बार माफी मांग चुके हैं। रंजीत सावरकर ने कहा कि राहुल गांधी की हरकतें बचकाना हैं। वे स्वतंत्रता सेनानियों का नाम लेकर राजनीति करते हैं, जो गलत बात है। रंजीत सावरकर ने अब तक अपने दावे को लेकर कोई प्रमाण नहीं दिया है, लेकिन यह सच है कि राहुल गांधी दो बार अपने दावे से पलट चुके हैं। इनमें से एक मामला तो 8 मई, 2019 का ही है, जब राहुल गांधी की ओर से सुप्रीम कोर्ट में बिना शर्त माफी मांगी गई थी।

24 घंटे में पूरा हुआ माफिया अतीक अहमद सफर, अब मिलेगा नैनी सेंट्रल जेल में

प्रयागराज। गुजरात की साबरमती जेल से सोमवार को प्रयागराज लाए गए माफिया अतीक अहमद को अब नैनी सेंट्रल जेल पहुंचाया गया है। माफिया अतीक को ला रही यूपी पुलिस का काफिला करीब 24 घंटे के समय में प्रयागराज पहुंचा। माफिया अतीक को यूपी पुलिस कड़ी सुरक्षा के बीच तीन राज्यों को पार करके लाई। अतीक गुजरात, मध्यप्रदेश, राजस्थान होते हुए यूपी लाया गया। 16 साल पुराने अपहरण के एक मामले में फैसले को लेकर अन्य आरोपियों के साथ अतीक अहमद को मंगलवार को प्रयागराज की अदालत में पेश किया जाएगा। जेल में माफिया अतीक को हाई सिक्योरिटी बैरक में रखा गया है। यह बैरक सीसीटीवी कैमरों से लैस है। बैरक के बाहर सुरक्षा कर्मियों का भी भारी घेरा है। डीजीपी मुख्यालय की तरफ से मॉनिटरिंग की जाएगी। वहीं कारागार प्रशासन भी बैरक की मॉनिटरिंग करेगा और अतीक-अशरफ की बैरक की 24 घंटे मॉनिटरिंग होगी। उमेश पाल हत्याकांड मामले भी अतीक पर शिकंजा कसा जा रहा है। इस हत्याकांड में माफिया अतीक से पुलिस पूछताछ करेगी। इसे लेकर सीजेएम कोर्ट में प्रयागराज पुलिस ने अर्जी दाखिल की है और हत्याकांड में पूछताछ को लेकर कोर्ट से अनुमति मांगी है।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन की बैठक में हो सकता है नए ईपीएफ रेट का ऐलान

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2022-23 के लिए मंगलवार को ईपीएफ रेट का ऐलान किया जा सकता है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) बोर्ड की दो दिवसीय बैठक 27 मार्च 2023 से शुरू हो गई है जो मंगलवार तक चलेगी। इस बैठक के बाद श्रम मंत्री भूपेंद्र यादव 2022-23 के ईपीएफ रेट का ऐलान कर सकते हैं। ईपीएफओ की इस बैठक में ईपीएफ रेट के अलावा, ईपीएफओ के एनुअल अकाउंट के साथ ही ज्यादा ईपीएस 1995 के तहत ज्यादा पेंशन पाने के लिए सुप्रीम कोर्ट के कर्मचारियों को चार महीने के विकल्प देने पर लिए गए एक्शन को लेकर भी चर्चा की जाएगी। ईपीएफओ ने अपने सब्सक्राइबर्स को 3 मई, 2023 तक का विकल्प चुनने के लिए समय दिया है। साथ ही सीबीटी के सदस्य फंड का पैसा ईटीएफ के जरिए अडानी समूह के स्टॉक्स में लगाये जान का मुद्दा भी बैठक में उठ सकता है। ईपीएफओ के ईपीएफ रेट पर फैसला लेने के बाद वित्त मंत्रालय से तय ब्याज दर को लेकर मंजूरी ली जाएगी।

चीते को नहीं भाया कूनो

नामीबिया की 5 साल की मादा साशा की मौत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विगत 17 सितंबर को आठ चीतों को किया था बाड़े में रिलीज, इसी में शामिल थी साशा

फीमेल चीता सुबह मृत अवस्था में मिली है, लेकिन उसकी मौत कब हुई, यह फिलहाल नहीं बताया जा सकता है।

स्वतंत्र समय, भोपाल

प्रदेश के वन्य जीव संरक्षण व पर्यावरण में रुचि रखने वाले लोगों के लिए निराशाजनक खबर है। कूनो नेशनल पार्क में नामीबिया से लाए गए चीतों में से एक 5 साल की मादा चीता साशा की मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि साशा किडनी की बीमारी से जूझ रही थी।

इसी बीच सोमवार सुबह साढ़े 8 बजे के लगभग उसने दम तोड़ दिया। नामीबिया से पिछले साल की 17 सितंबर 2022 को 8 चीतों को भारत लाया गया था। इन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कूनो नेशनल पार्क के बाड़ों में रिलीज किया था। इनमें साशा भी शामिल थी। 17 सितंबर 22 को कूनो में 8 चीते छोड़ने के बाद दूसरे चरण में दक्षिण अफ्रीका से 12 और चीते लाए गए थे। इन सभी चीतों को 18 फरवरी को सीएम शिवराज सिंह चौहान और केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र सिंह यादव ने कूनो के बाड़े में रिलीज किया था। इसके बाद कूनो में चीतों की संख्या 20 हो गई थी। लेकिन सोमवार को एक मादा चीते की मौत के बाद अब ये संख्या घटकर 19 हो गई है। जानकारी के अनुसार नामीबिया से दो खेप में लाए गए सभी चीतों को टैगिंग करके क्रमशः नेशनल पार्क के सुरक्षित बाड़ों में छोड़ा गया था, इनकी निगरानी भी की जा रही थी। लेकिन साशा की अचानक मौत से नेशनल पार्क के कर्मचारियों में निराशा फैल गई। ऐसे में पर्यावरणविदों की ओर से सवाल उठ रहा है कि क्या नामीबियाई चीतों को कूनो नेशनल पार्क का पर्यावरण सूट नहीं किया, हालांकि अभी यह जांच का विषय है और आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता।

मौत कब हुई जांच का विषय

वन विभाग के अपर मुख्य सचिव जेएन कंसोटिया ने बताया कि फीमेल चीता सुबह मृत अवस्था में मिली है, लेकिन उसकी मौत कब हुई, यह फिलहाल नहीं बताया जा सकता है। इस मामले के परीक्षण एवं जांच रिपोर्ट तैयार करने के लिए भोपाल से फॉरेस्ट और वेटनरी डॉक्टरों की एक टीम कूनो पहुंच गई है। उनकी जांच रिपोर्ट मिलने के बाद ही मौत कब हुई, मौत का कारण सहित अन्य बिंदुओं पर सही जानकारी पता लग सकेगी।

2 महीने पहले भी हुई थी बीमार

कंपार्टमेंट नंबर-5 में पिछले साल 28 नवंबर को तीन मादा चीता सवाना, साशा और सियाया को छोड़ा गया था। तीनों मादा चीता एक साथ ही कंपार्टमेंट में रहकर शिकार भी कर रही थीं। इसी बीच साशा बीमार हो गई थी। जिसके इलाज के लिए भोपाल से वेटनरी डॉक्टरों की टीम पहुंची थी। डॉक्टरों ने उसकी किडनी में इंफेक्शन होना बताया था। फिर बिहार की एक्सपर्ट की टीम मादा चीता को अपनी देखरेख में लेकर उसका इलाज कर रही थी।

सेवानिवृत्त सीसीएफ सीएस निनामा की राय...

नामीबिया से चीतों को लाने के समय परियोजना के सीसीएफ रहे सीएस निनामा ने चर्चा में कहा कि हमारे प्रोजेक्ट में पहले से ही यह विदित था कि चीतों की मार्टेलिटी रेट (मृत्यु दर) 50 प्रतिशत रहेगी। ऐसे में एक चीते की मौत स्वभाविक घटना है और इसका अनुमान हमें पहले से ही था कि इतनी कैजुअलिटी तो होगी ही। हमें यह बड़ी घटना लग रही है, क्योंकि हमारे देश में चीतों को बाहर से लाया गया है, अन्यथा इस तरह से जानवरों की मौत होती है। देखना यह भी चाहिए कि कूनो का वातावरण चीतों के लिए नया है और खुले जंगल में छोड़े जाने के बाद वे नई जगह पर दौड़ रहे हैं। चीतों को रहने के लिए मुख्य रूप से सही वातावरण, पर्याप्त पानी और भोजन की उपलब्धता चाहिए। करीब चार से पांच साल के शोध के बाद इसे चीतों के लिए अनुकूल पाया गया था। सीएस निनामा ने कहा कि अभी मौत के कारणों की विस्तृत जानकारी गहन परीक्षण के बाद ही सामने आ सकेगी।

ऐसा सच कब बोलेंगे नेता

राजनीति पैसा कमाने का धंधा नहीं, वोट के लिए मैं मक्खन भी नहीं लगाऊंगा आपको

गडकरी बोले... काम पसंद आये तो ही वोट देना

एजेंसी, नागपुर

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी अपने बयानों और साफगोई के लिए जाने जाते हैं। इस वक्त गडकरी केंद्रीय राष्ट्रीय राजमार्ग व परिवहन मंत्रालय संभाल रहे हैं। गडकरी ने मतदाताओं से दो टूक कहा कि राजनीति पैसा कमाने का धंधा नहीं है। अगर आप लोगों को उनका काम पसंद आए तो वोट दें, नहीं तो न दें। गडकरी नागपुर में वे डॉ. मोहन धारिया राष्ट्र निर्माण पुरस्कार समारोह में शामिल हुए। उन्होंने यह भी कहा कि वे वोट के लिए मक्खन लगाने वाले नहीं हैं। गडकरी ने कहा कि मैं देश में जैव ईंधन और वाटरशेड संरक्षण सहित कई प्रयोग कर रहा हूं। अगर लोग इन्हें पसंद करते हैं, तो ठीक है... नहीं तो मुझे वोट न दें। मैं पॉपुलर पॉलिटिक्स के लिए ज्यादा मक्खन लगाने को तैयार नहीं हूं।

नितिन गडकरी ने कहा कि जल संरक्षण, जलवायु परिवर्तन और बंजर भूमि के सही इस्तेमाल जैसे क्षेत्रों में प्रयोग की काफी गुंजाइश है। मैं स्वयं और मंत्रालय में बड़ी लगन से काम कर हा है। उन्होंने कहा कि मुझे इससे प्यार भी है। भाजपा नेता ने कहा कि भविष्य में हमें इस क्षेत्र में और अधिक मेहनत करनी होगी। ऐसा इसलिए क्योंकि यह न केवल भारत की अर्थव्यवस्था बल्कि ग्रामीण इलाकों की सूरत भी बदल सकता है। हमने देश भर में इस तरह के कई प्रयोग शुरू किए हैं। अगर लोगों को यह पसंद आया, तो वे मुझे वोट देंगे... नहीं तो वे मुझे खारिज भी कर सकते हैं। वे मेरी जगह किसी और को चुन सकते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राजनीति पैसे कमाने का धंधा नहीं है। उन्होंने कहा कि राजनीति का अर्थ सामाजिक कार्य, राष्ट्रीय मुद्दों को हल करना और विकास से जुड़े कार्य करना भी है। सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन ही राजनीति का मुख्य लक्ष्य है।

गडकरी ने कहा कि सतत विकास आधुनिक दुनिया में सफलता की मुख्य कुंजी है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण के बिना विकास टिकने वाला नहीं है। मॉर्डन वर्ल्ड में विकास भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में अर्थव्यवस्था के विकास के लिए बांस के इस्तेलमाल पर भी जोर दिया। गडकरी आर्थिक विकास को लेकर वह बांस की खेती की वकालत करते नजर आए। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के किसानों की आर्थिक प्रगति के लिए बांस की खेती बेहतरीन विकल्प है। बहुत कम निवेश से ही किसान बांस की खेती से लाभ कमा सकते हैं। इसी तरह उन्होंने गन्ने से इथेनॉल बनाने की भी अहमियत बताई। गडकरी ने कहा कि राज्य में किसानों के लिए यह एक और लाभ कमाने का जरिया साबित होने वाला है। उन्होंने कहा कि इथेनॉल के इस्तेमाल से जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने में मदद मिल सकती है।

खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे वाले डॉ. आनंद राय सरकारी सेवा से बर्खास्त

सरकार ने रीवा किया था ट्रांसफर डॉ. राय ने नहीं दी ज्वाइनिंग

स्वतंत्र समय, भोपाल

राज्य सरकार ने सोमवार को व्यापमं व्हिसल ब्लोअर डॉ. आनंद राय को बर्खास्त कर दिया। डॉ. राय को पिछले साल 7 अप्रैल को इंदौर के हुकुमचंद अस्पताल में ड्यूटी के दौरान लापरवाही बरतने के मामले में निलंबित किया गया था। उन्हें क्षेत्रीय स्वास्थ्य संचालक ऑफिस रीवा में पदस्थ किया था। निलंबन के बाद डॉ. रॉय ने रीजनल डायरेक्टर हेल्थ रीवा में नियुक्ति नहीं दी थी। इससे पहले 29 मार्च को इन्दौर में हुकुमचंद अस्पताल का निरीक्षण किए जाने के बाद दोपहर में उन्होंने उप संचालक स्वास्थ्य सेवा लीगल के खिलाफ सोशल मीडिया पोस्ट लिखी थी। इसमें लिखा था- राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी मुकेश सिंह को मुख्यमंत्री ने भोपाल से विशेष तौर पर सिर्फ मेरी वाइफ डॉ. गौरी राय के कर्तव्य स्थल सिविल डिस्पेंसरी रेडियो कॉलोनी भेजा। यह भारत सरकार लिखी हुई गाड़ी में पहुंचे, जो किसी कमलेश चौकसे के नाम पर पंजीकृत है।

यहां से 3/4 घंटे की पड़ताल की, डिस्पेंसरी के सामने रेडियो कॉलोनी में लोगों से पूछा कि मैडम कब आती हैं। स्टाफ से बोला- मरीजों से शुल्क क्यों नहीं लेते, फ्री में क्यों देखते हो, फिर यह मेरे कर्तव्य स्थल पहुंचे और तीन घंटे पड़ताल की। इतनी दूर से यह भैया जी ने इन्दौर में कार्यरत 400 डॉक्टर्स में से मात्र हम दो लोगों की जांच की। इसे कहते हैं कि खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे। इन अधिकारियों को अगर यह लग रहा है कि मध्यप्रदेश में भाजपा की आजीवन सत्ता रहेगी, तो यह गलतफहमी में है। इन जैसे अधिकारियों का क्या होगा, जब प्रदेश का निजाम बदल जाएगा। हुकूमत बदल जाएगी, कम से कम अपना जमीर जिंदा रखो।

राष्ट्रपति के प्यार के बीच दीवार बना युद्ध !

हत्या के डर से गर्लफ्रेंड को छोड़कर ऑफिस में सो रहे पुतिन

एजेंसी, मॉस्को

यूक्रेन के साथ युद्ध के बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अपनी गर्लफ्रेंड के साथ नहीं रह रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक पुतिन की गर्लफ्रेंड और उनके बच्चे क्रेमलिन में मौजूद फ्लैट में नहीं रहते हैं। यूक्रेन के युद्ध में सफलता न मिलने के कारण पुतिन तनाव में हैं और इसलिए वह अपनी गर्लफ्रेंड अलीना काबेवा और बच्चों के साथ नहीं रह रहे हैं। इसकी जगह वह अब अपना ज्यादातर समय अपने हाई सिक्योरिटी ऑफिस में ही बिता रहे हैं। हाल ही में एक टीवी इंटरव्यू में पुतिन ने कहा था कि उनका क्रेमलिन में एक अपार्टमेंट हैं, जहां वह बहुत समय बिताते हैं। उन्होंने कहा, मैं यहां काम करता हूं और कई बार यहीं सो जाता हूं। पुतिन के इस इंटरव्यू के बाद कई रिपोर्ट्स कह रही हैं कि वह अपनी सुरक्षा के लिए चिंतित हो गए हैं। कुछ समय पहले तक माना जा रहा था कि पुतिन राजधानी मॉस्को से बाहर अपने नोवो-ओगारियोवो आधिकारिक आवास में रह रहे हैं। बाद में यह भी कहा गया कि वल्दाई में उनकी एक हवेली है, जिसमें वह अपनी गर्लफ्रेंड के साथ रह रहे थे।

शी जिनपिंग से की थी मुलाकात

कई घरों के होने के बावजूद पुतिन ज्यादातर अपने क्रेमलिन फ्लैट में रहना पसंद कर रहे हैं। पुतिन ने यहीं चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की थी। पुतिन ने बताया था कि दोनों नेताओं ने यहां चिमनी के पास बैठ कर चाय पी और बातें की। ऑफिस के करीब रहने को विदेशी मीडिया सुरक्षा का कारण बता रही है। लेकिन पुतिन के करीबी दिमित्री पेसकोव का कहना है कि वर्तमान में चल रहे युद्ध के कारण इस तरह का फैसला लिया गया है। उनका कहना है कि युद्ध के बाद से ही पुतिन यहां आमतौर पर रहते हैं।

कहां मौजूद है पुतिन का फ्लैट

पुतिन का फ्लैट कहां है, इसका आधिकारिक तौर पर खुलासा नहीं हुआ है। लेकिन ऐसा माना जाता है कि यह सीनेट पैलेस में मौजूद है। इस पैलेस को 1776 और 1787 के बीच रूसी आर्किटेक्ट काजाकोव ने डिजाइन किया था। इसके अलावा पुतिन ने कभी भी अपने गर्लफ्रेंड की पुष्टि नहीं की है। पुतिन का कहना है कि उनका एक निजी जीवन है, जिसमें वह किसी के हस्तक्षेप की अनुमति नहीं देते हैं। इसका सम्मान होना चाहिए।